बालक बहुत कुछ सीखते हैं।

श्रवण कौशल-विकास
(Developing Listening Skills)

1. ध्वनि-अभिज्ञान तथा ध्वनि अन्तर-बोध—समान, असमान ध्वनियों वाले शब्दों, पदबन्धों, वाक्यों का बार-बार श्रवण कराना; यथा—

सादा-साधा-सादा-साधा, साधा-सादा, साधा-सादा

दान-धान, दान-धान, धान, दान, धान-दान

बद-बध, बद-बध, बध-बद, बध-बद

दानी-धानी, धानी-दानी, दानी-धानी, धानी -दानी

आपका दान-आपका धान, आपका-धान-आपका दान

दान का धार कहाँ हैं? धान का दान दो।

धनवान् का दान कहाँ हैं? दानदाता धनवान कहाँ हैं?

2. अर्थ-बोध हेतु—कोशलगत तथा संरचनागत अर्थ-बोध के लिए शब्दों, वाक्यों का बार-बार श्रवण करना यथा—(चित्र प्रदर्शनी के साथ)—पेड़, फूल, पत्ती, फल, झाड़ी, गाय, बकरी, कुत्ता, गधा, घोड़ा।

(समानार्थी शब्दों का श्रवण)—घर, मकान, गृह, आकाश, आसमान, नभ, चाँद, चन्द्रमा, राशि।

(विलोमार्थी शब्दों का श्रवण)—बुराई-भलाई, पश्चिम-पूरब, बड़ा-छोटा, हानि-लाभ, गरीब-अमीर; भलाई-बुराई, पूरब-पश्चिम, छोटा-बड़ा, लाभ-हानि, अमीर-गरीब।

Scanned by TapScanner

(भाषानुवाद के साथ)—दरवाजा Door, फल Fruit, गीत Song, गाय Cow, दूध Milk, Door दरवाजा, Friut फल, song, गीत, Cow गाय, Milk दूध।

(चित्र प्रदर्शन के साथ)—लड़की लिख रही हैं—लड़की पढ़ रही हैं; लड़की कूद रही है—लड़की दौड़ रही है, पुस्तक मेज पर हैं—पुस्तक तख्त पर है, पुस्तक खाट पर है पुस्तक पंलग पर है।

(व्याख्या के साथ)—जो जल में पैदा होता है वह कमल, जिससे लिखते हैं वह कलम; जो कमल की देवी है वह कमला; जिसमें पौधे लगाते हैं वह गमला।

(व्याकरणिक रूपों के साथ)—भैंस-भैंसा, भैंसा-भैंसे, भैंस; भैंसे; भैंसे-भैंसे। भैंस पानी में तैर रही हैं—भैंसे पानी में तैर रही हैं; भैंसा पानी में तैर रहा है भैंस पानी में तैर रहे हैं।

(संदर्भित वाक्यों में विशिष्ट शब्दों का श्रवण) इस संसार में तीन लोक माने जाते हैं—आकाश लोक, मर्त्युलोक और पाताल लोक। मर्त्युलोक में असंख्य लोग रहते हैं। अमेरिका और रूस के अनेक लोग इस लोक से आकाश लोक में कई बार जा चुके हैं। अभी तक इस बात का पता नहीं लगा है कि आकाश लोक के दूसरे ग्रहों में भी लोग रहते हैं या नहीं।

Scanned by TapScanner